2023 में मुंबईकरों को मिलेगी सौगात

आर्थिक राजधानी में कई करोड़ के इंफ्रा प्रोजेक्ट होंगे पूरे, बदलेगा एमएमआर का चेहरा

■ सूर्यप्रकाश मिश्र@नवभारत

मुंबई. देश की आर्थिक राजधानी मुंबई-एमएमआर में चल रहे हजारों करोड़ के इंफ्रा प्रोजेक्ट को समय पर पूरा किए जाने की कवायद जारी है. मुंबई व उपनगरों में सबसे बड़ी समस्या यातायात संसाधनों की कमी है. बढ़ते प्रदूषण एवं ट्रैफिक को कम करने का उपाय किया जा रहा है. इनमें मेट्रो, मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक, बांद्रा-वर्सोवा सी लिंक, उपनगरीय रेलवे का विस्तार एमएमआर में मेट्रो सहित कई फ्लाई ओवर के काम चल रहे हैं. नए वर्ष 2023 में कुछ प्रोजेक्ट के पूरा होने पर मुंबईकरों को राहत मिल सकती है. पश्चिमी उपनगरों की ट्रैफिक कम करने वाली मेट्रो लाइन 7 (दहिसर ई-अंधेरी ई) और 2 ए (दहिसर-डीएन नगर) का पूर्ण संचालन नए वर्ष में होगा. नए साल की शुरुआत में ही मुंबईकरों के लिए यह बड़ा तोहफा होगा. इस मेट्रो के ट्रायल व वाणिज्यिक संचालन के लिए सीएमआरएस टीम के परीक्षण की तैयारी शुरू है. उल्लेखनीय है कि पूरे 9 साल बाद मुंबई को दूसरे मेट्रो की सौगात मिलेगी. आयुक्त श्रीनिवास का मानना है कि नए वर्ष में ग्रीन व अत्याधुनिक परिवहन से मुंबई में प्रदूषण व ट्रैफिक की समस्या काफी कम होगी.नए साल मार्च 2023 तक मध्य रेलवे के चौथे रेल कॉरिडोर पर खारकोपर-उरण लोकल दौड़ने लगेगी. बहुप्रतीक्षित नेरुल-बेलापुर-खारकोपर-उरण लोकल कॉरिडोर का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है. उल्लेखनीय है कि बेलापुर-उरण लोकल ट्रेन परियोजना को सितंबर 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य रेल प्रशासन ने रखा था, लेकिन सिडको की तरफ समय पर निधि उपलब्ध न होने, भूमि हस्तानांतरण एवं अन्य कारणों से देरी हुई है. प्रोजेक्ट में सिडको का हिस्सा 67 प्रतिशत, जबकि रेलवे का 33 प्रतिशत है. मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार खारकोपर-उरण लोकल कॉरिडोर का 90 प्रतिशत से ज्यादा काम हो गया है.

130 किमी नए मेट्रो नेटवर्क की शुरुआत

एमएमआरडीए के माध्यम से लगभग 330 किमी का मेट्रो नेटवर्क विकसित किया जा रहा है. इनमें वर्ष 2023 तक लगभग 130 किलोमीटर मेट्रो लाइन की शुरुआत का लक्ष्य है. एमएमआरडीए 1 लाख करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट का काम कर रहा है, इसके अलावा लगभग 1.50 लाख करोड़ की परियोजनाओं का प्रस्ताव है. मेट्रो 2-बी, मेट्रो 6, वडाला कासारवडवली से गायमुख, ठाणे-भिवंडी-कल्याण, ओशिवरा-कांजुरमार्ग के साथ एमएमआरसीएल का भूमिगत मेट्रो 3 भी प्रगति पथ पर हैं. कल्याण से तलोजा मेट्रो 12 का काम भी 2023 में शुरू होगा.

शिर्डी से समृद्धि एक्सप्रेस वे मुंबई तक

नागपुर से मुंबई को जोड़ने वाले समृद्धि एक्सप्रेस वे के पहले चरण का लोकार्पण पीएम मोदी ने कर दिया हैं. अब शिर्डी से मुंबई तक आने में 2023 का इंतजार है. समृद्धि एक्सप्रेस वे का 701 किमी का काम 18 पैकेज में बांटा गया है. अधिकारियों के अनुसार दिसंबर 2023 तक समृद्धि एक्सप्रेस मुंबई तक शुरू हो जाएगा. शिर्डी से इगतपुरी और ठाणे तक का कार्य भी तेजी से चल रहा है.

1.50 लाख करोड़ की परियोजनाओं का है प्रस्ताव

2024 के चुनावों पर नजर

2023 में नई परियोजनाएं

व्यापक परिवहन अध्ययन रिपोर्ट पर काम

1 एमएमआरडीए द्वारा किए गए व्यापक परिवहन अध्ययन (सीटीएस) 2 के अनुसार 2041 तक एमएमआर में 487 किमी से ज्यादा मेट्रो नेटवर्क, जिनमें 232 किलोमीटर उपनगरीय नेटवर्क की आवश्यकता होगी.

2 इनमें 533 किलोमीटर विशेष बस लेन (बीआरटीएस) के अलावा 1,264 किलोमीटर के अतिरिक्त सड़क नेटवर्क की आवश्यकता है. वर्ष 2024 के लोकसभा विधानसभा चुनाओं को देखते हुए भी एमएमआर में कई इंफ्रा परियोजनाओं पर 2023 में काम शुरू होगा.

नई परिजनाएं शुरू होंगी

वर्ष 2023 में कुछ नई परियोजनाओं की शुरुआत होगी. इनमें ठाणे कोस्टल रोड, सूर्या जल परियोजना, बोरीवली-ठाणे भूमिगत मार्ग, विरार-अलीबाग मल्टी-मॉडल कॉरिडोर सहित अन्य महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट का समावेश है.